चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.07.2021	--	--

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितैषी अनुसंधान पर हो अधिक फोक्स

बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	28.07.2021	--	--

फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. बीआर काम्बोज

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितैषी अनुसंधान पर हो अधिक फोक्स

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की रोकथाम भी करें तथा मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रूबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिवेश में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है। इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है बल्कि फसलों पर भी विपरीत असर पड़ रहा है और किसान को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।

हिसार। वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रूबरू होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी की जाए

वैज्ञानिक मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा किसान लघु समाचार किसानों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कीटनाशकों व अन्य रसायनों के प्रयोग के लिए जानकारी मुहैया करवाएं। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जारी की जानी चाहिए। साथ ही अपने शोध कार्यों को इस प्रकार से आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की समस्या से निजात मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई दुष्प्रभाव न हो। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की चर्चा की। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	28.07.2021	--	--

चरण सिंह विश्व विद्यालय, हिसार बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती-प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार 28 जुलाई । [illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.07.2021	--	--

वैज्ञानिक कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही करें अनुसंधान : कुलपति

हिसार,27 जुलाई (रिपोर्टर)

वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिएं। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की रोकथाम भी करें तथा मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कही। वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रूबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिवेश में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है। इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है बल्कि फसलों पर भी विपरीत असर पड़ रहा है और किसान को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा किसान समूह बनाकर किसानों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कीटनाशकों व अन्य रसायनों के प्रयोग के लिए जानकारी मुहैया करवाएं। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जारी की जानी चाहिए। साथ ही अपने शोध कार्यों को इस प्रकार से आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की समस्या से निजात मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई दुष्प्रभाव न हो। प्रोफेसर काम्बोज ने कहा कि किसानों द्वारा वर्तमान में फसल में लिए जाने वाले रसायनों व उर्वरकों का असली फसल में पड़ने वाले प्रभावों व फसल प्रणाली के अनुसार अनुसंधान किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र व अनुसंधान केंद्र विश्वविद्यालय का आइना होते हैं। इसलिए ये किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली उन्नत किस्मों व तकनीकों के बारे में ज्यादा से ज्यादा अवगत करवाएं ताकि अधिकाधिक किसान फायदा ले सकें। वैज्ञानिक किसानों को मधुमक्खी पालन के प्रति जागरूक करें और उन्हें मधुमक्खी पालन द्वारा फसलों की पैदावार में होने वाली वृद्धि से अवगत करवाएं। साथ ही विभाग द्वारा किसानों की सहायता के लिए जरूरी तकनीकी विशेषज्ञ उपलब्ध करवाएं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की चर्चा की। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के निदेशक व विभागाध्यक्ष सहित वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	28.07.2021	--	--

फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	28.07.2021	--	--

बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती-प्रो. बी. आर. काम्बोज

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितैषी अनुसंधान पर हो अधिक फोकस

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष	28.07.2021	--	--

फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती: प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग	29.07.2021	--	--

बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की रोकथाम भी करें तथा मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे।

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितैषी अनुसंधान पर हो अधिक फोकस

फोटो 9 वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रुबरु होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रुबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है। इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर भी विपरीत असर पड़ रहा है और किसान को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी की जाए सलाह : उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा किसान समूह बनाकर किसानों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कीटनाशकों व अन्य रसायनों के प्रयोग के लिए जानकारी मुहैया करवाएं। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जारी की जानी चाहिए। साथ ही अपने शोध कार्यों को इस प्रकार से आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की समस्या से निजात मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई दुष्प्रभाव न हो। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों द्वारा वर्तमान में फसल में दिए जाने वाले रसायनों व उर्वरकों का अगली फसल में पड़ने वाले प्रभावों व फसल प्रणाली के अनुसार अनुसंधान किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र व अनुसंधान केंद्र विश्वविद्यालय का आइना होते हैं। इसलिए वे किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली उन्नत किस्मों व तकनीकों के बारे में ज्यादा से ज्यादा अवगत करवाएं ताकि अधिकाधिक किसान फायदा ले सकें। वैज्ञानिक किसानों को मधुमक्खी पालन के प्रति जागरूक करें और उन्हें मधुमक्खी पालन द्वारा फसलों की पैदावार में होने वाली वृद्धि से अवगत करवाएं। साथ ही विभाग द्वारा किसानों की सहायता के लिए जरूरी तकनीकी विशेषांक उपलब्ध करवाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अटल हिंद	29.07.2021	--	--

मशरूम तकनीक पर व्यावसायिक वर्चुअल प्रशिक्षण 2 अगस्त से

अटल हिंद संवाददाता/हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 2 अगस्त से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदेश के बेरोजगार युवक-युवतियों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीनों दिन प्रशिक्षण में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भारत देश हमारा	29.07.2021	--	--

Thursday 29 July , 2021 हरियाणा (5) दैनिक भारत देश हमारा करनाल वीरवार 29 जुलाई, 2021

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई (मनमोहन शर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते है। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राजबीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरित परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कपास की खड़ी फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को किसानों की हर समस्या का समाधान उनके द्वार पर आकर करने को कहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज किसान गोष्ठी के दौरान संबोधित करते हुए व पौधे वितरित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
रोजाना चढ़दीकला, करनाल	29.07.2021	--	--

ਐਚਏਯੂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਹਮੇਸ਼ਾ ਤਤਪਰ, ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਉਠਾਓ ਲਾਭ : ਪ੍ਰੋ. ਕੰਬੋਜ

ਹਿਸਾਰ, 28 ਜੁਲਾਈ (ਮਨਮੋਹਨ ਸ਼ਰਮਾ) ਚੌਧਰੀ ਚਰਨ ਸਿੰਘ ਹਰਿਆਣਾ ਖੇਤੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਹਿਸਾਰ ਦੇ ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ. ਬੀ ਆਰ ਕੰਬੋਜ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਹਰ ਸਮੇਂ ਤਤਪਰ ਤੇ ਯਤਨਸ਼ੀਲ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਜੁੜ ਕੇ ਇਸ ਦਾ ਲਾਭ ਉਠਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਉਹ ਐਚਏਯੂ ਦੇ ਵਿਗਿਆਨ ਨਿਦੇਸ਼ਾਲਯ, ਅਨੁਵਾਂਸ਼ਿਕੀ ਤੇ ਪੌਦ ਪ੍ਰਜਨਨ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਪਾਸ ਅਨੁਭਾਗ, ਖੇਤੀ ਵਿਗਿਆਨ ਕੇਂਦਰ ਤੇ ਖੇਤੀ ਤੇ ਕਿਸਾਨ ਕਲਿਆਣ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸੰਯੁਕਤ ਸਹਿਯੋਗ ਵਿਚ ਆਯੋਜਿਤ ਇਕ ਕਿਸਾਨ ਗੋਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸੰਬੋਧਤ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਵਿੱਖ ਵਿਚ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ ਸਿੱਖਿਆ ਨਿਦੇਸ਼ਾਲਯ ਤੇ ਵਿਗਿਆਨ ਕੇਂਦਰ ਮਿਲ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਸਬੰਧੀ ਹਰ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਹੱਲ ਦੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਜਾ ਕੇ ਹੱਲ ਕਰਨਗੇ। ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਖੇਤੀ ਵਿਗਿਆਨ ਕੇਂਦਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਾਲ ਸਿੱਧਾ ਜੁੜਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੁਆਰਾ ਵਿਕਸਿਤ ਕਿਸਮਾਂ, ਨਵੀਂ ਤਕਨੀਕਾਂ ਤੇ ਖੇਤੀ ਆਧਾਰਿਤ ਹੋਰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ। ਕਿਸਾਨ ਗੋਸ਼ਟੀ ਦਾ ਮੁੱਖ ਵਿਸ਼ਾ ਕਪਾਸ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਤੇ ਬਚਾਅ ਦੀ ਉਨਤ ਤਕਨੀਕ ਰੱਖਿਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਕੁਲ ਸਕੱਤਰ ਡਾ. ਰਾਜਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੀਤੀ। ਕੁਲਪਤੀ ਪ੍ਰੋ. ਬੀ ਆਰ ਕੰਬੋਜ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਖੇਤੀ ਤੇ ਕਿਸਾਨ ਕਲਿਆਣ ਮੰਤਰੀ ਜੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦਲਾਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਲਗਾਤਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਲਗਾਤਾਰ ਸੰਪਰਕ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੀਤੇ ਸਾਲ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਪਾਸ ਦੀ ਫਸਲ ਵਿਚ ਖਾਮੀਆਜ਼ਾ ਨਾ ਭੁਗਤਣਾ ਪਵੇ, ਇਸ ਲਈ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੈਂਦੇ ਹੋਏ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਵਿਗਿਆਨਿਕਾਂ ਦੀ ਟੀਮ ਗਠਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਜੋ ਲਗਾਤਾਰ ਸੰਬੰਧਤ ਖੇਤਰਾਂ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਸਿਖਲਾਈ ਕੈਂਪ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਤੇ ਖੇਤੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਪਾਸ ਦੀ ਵੱਖ ਵੱਖ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਤਾਂਕਿ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਵੀ ਕਪਾਸ ਦਾ ਚੰਗਾ ਉਤਪਾਦਨ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्यजय टाईम्स	29.07.2021	--	--

अंधाधुंध कीटनाशकों को प्रयोग नुकसानदायक : बी.आर. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/मनमोहन शर्मा। वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की रोकथाम भी करें तथा मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रूबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिदृश्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित

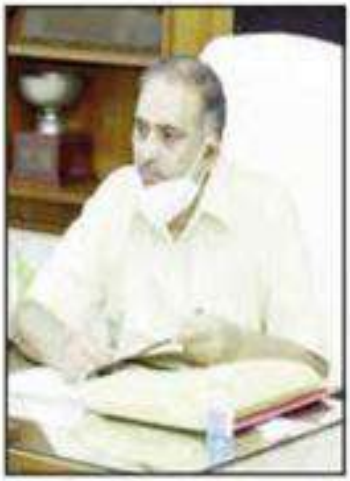

छिड़काव कर रहे है जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है।

इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर भी विपरीत असर पड़ रहा है और किसान को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है।

इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ना चाहिए। समय-समय पर किसानों के लिए जारी की जाए सलाह उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा किसान समूह बनाकर किसानों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कीटनाशकों व अन्य रसायनों के प्रयोग के लिए जानकारी मुहैया करवाएं। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जारी की जानी चाहिए। साथ ही अपने शोध कार्यों को इस प्रकार से आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की समस्या से निजात मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई दुष्प्रभाव न हो।

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों द्वारा वर्तमान में फसल में दिए जाने वाले रसायनों व उर्वरकों का अगली फसल में पड़ने वाले प्रभावों व फसल प्रणाली के अनुसार अनुसंधान किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र व अनुसंधान केंद्र विश्वविद्यालय का आइना होते है।

इसलिए वे किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली उन्नत किस्मों व तकनीकों के बारे में ज्यादा से ज्यादा अवगत कराएं ताकि अधिकाधिक किसान फायदा ले सकें। वैज्ञानिक किसानों को मधुमक्खी पालन के प्रति जागरूक करें और उन्हें मधुमक्खी पालन द्वारा फसलों की पैदावार में होने वाली वृद्धि से अवगत कराएं।

साथ ही विभाग द्वारा किसानों की सहायता के लिए जरूरी तकनीकी विशेषांक उपलब्ध करवाएं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के.सहरावत ने इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की चर्चा की।

कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेश कुमार ने पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के निदेशक व विभागाध्यक्ष सहित वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29.7.21	8	1-4

बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. काम्बोज

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितैषी अनुसंधान पर हो अधिक फोकस

हिसार, 28 जुलाई (राजकुमार) : वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की रोकथाम भी करें तथा मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रूबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा किसान समूह बनाकर किसानों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कीटनाशकों व अन्य रसायनों के प्रयोग के लिए जानकारी मुहैया करवाएं। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जारी की जानी चाहिए। साथ ही अपने शोध कार्यों को इस प्रकार से आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की समस्या से निजात मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई दुष्प्रभाव न हो। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों द्वारा वर्तमान में फसल में दिए जाने वाले रसायनों व उर्वरकों का अगली फसल में पड़ने वाले प्रभावों व फसल प्रणाली के अनुसार अनुसंधान किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र व अनुसंधान केंद्र विश्वविद्यालय का आइना होते हैं। इसलिए वे किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली उन्नत किस्मों व तकनीकों के बारे में ज्यादा से ज्यादा अवगत कराएं ताकि अधिकाधिक किसान फायदा ले सकें। वैज्ञानिक किसानों को मधुमक्खी पालन के प्रति जागरूक करें और उन्हें मधुमक्खी पालन द्वारा फसलों की पैदावार में होने वाली वृद्धि से अवगत कराएं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की चर्चा की। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के निदेशक व विभागाध्यक्ष सहित वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

वैज्ञानिकों से ऑनलाईन माध्यम से रूबरू होते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.7.21	2	6.7

एचएयू के वीसी ने ऑनलाइन दिए सुझाव

फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याएं ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करने चाहिए। ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर बल दिया जाना चाहिए, जो कीटों की रोकथाम भी करें और मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। वह कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रूबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे।

बीआर काम्बोज।

वीसी ने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जोकि बहुत नुकसानदायक साबित हो रहा है। इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर विपरीत असर पड़ रहा है और किसान को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की चर्चा की। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29.7.24	5	8

फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का हमला वैज्ञानिकों के लिए चुनौती

हिसार। वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर बल दिया जाना चाहिए, जो कीटों की रोकथाम भी करे और मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हो। आज फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती बना है। यह कहना है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का।

वह बुधवार को कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है।

इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर विपरीत असर पड़ रहा है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.7.21	2	8

एचएयू में व्यावसायिक वर्चुअल प्रशिक्षण 2 से

हिसार| एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 2 अगस्त से शुरू होगा।